



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1041]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 20, 2003/कार्तिक 29, 1925

No. 1041]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 20, 2003/KARTIKA 29, 1925

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 2003

आगामी

का.आ. 1332(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 44घक की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (सत्ताईसवाँ संशोधन) नियम, 2003 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. आयकर नियम, 1962 में,-

(i) नियम 67 के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“गगगक- अनिवासियों की दशा में, स्वामिस्व आदि के रूप में आयकर के मामले में लेखापरीक्षा की रिपोर्ट।

67क. धारा 44घक की उपधारा (2) के अधीन दी जाने वाली लेखापरीक्षा की रिपोर्ट का प्ररूप।

अनिवासी (जो कंपनी नहीं है) या विदेशी कंपनी के लेखाओं की लेखापरीक्षा की

रिपोर्ट, जो धारा 44घक की उपधारा (2) के अधीन दी जानी अपेक्षित है, प्ररूप सं0 3गड़ में होगी।”;

(ii) परिशिष्ट 2 में प्ररूप सं0 3गद के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

‘प्ररूप सं0 3गड़

(नियम 6छक देखिए)

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 44घक की उपधारा (2) के अधीन लेखापरीक्षा रिपोर्ट

1. मैंने/हमने.....के
(स्थायी खाता सं0 सहित अनिवासी का नाम और पता)

31 मार्च,.....को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान भारत में वृत्ति के स्थायी स्थापन/नियत स्थान के कारबाह से संबंधित लेखाओं और अभिलेखों की परीक्षा कर ली है।

2. मैंने/हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण अभिप्राप्त कर ली हैं जो मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए और निर्धारिती द्वारा अर्जित तकनीकी सेवाओं के लिए स्वामिस्व/फीस के रूप में आय की रकम के अभिनिश्चयन के लिए आवश्यक थी।

3. मैं/हम प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि अधिकार या संपत्ति या संविदा, जिसकी बाबत तकनीकी सेवाओं के लिए स्वामिस्व/फीस संदत्त की गई है, भारत में वृत्ति के स्थायी स्थापन/नियत स्थान के साथ प्रभावी रूप से संबद्ध है।

4. मैं/हम प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि निर्धारण वर्ष.....की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 44घक के अधीन तकनीकी सेवा के लिए स्वामिस्व/फीस के रूप में आय.....रूपए है।

तकनीकी सेवा के लिए स्वामिस्व/फीस के रूप में आय से संबंधित सूचना इस प्ररूप के उपाबंध में दी गई है। मेरी/हमारी राय में और मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और मुझे/हमें दी गई सूचना के अनुसार, ऊपर दी गई विशिष्टियां सही और ठीक हैं।

टिप्पणी-

1. जो लागू न हो उसे काट दें।
2. यह रिपोर्ट निम्नलिखित द्वारा दी जानी है-
 - (क) चार्टर्ड अकाउन्टेंट अधिनियम, 1949 (1949 का 38) के अर्थात् एक चार्टर्ड अकाउन्टेंट ; या
 - (ख) किसी राज्य के संबंध में कोई व्यक्ति जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 226 की उपधारा (2) के उपबंधों के अनुसार उस राज्य में रजिस्ट्रीकृत कंपनी के लेखापरीक्षक के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किए जाने का हकदार है।
3. “तकनीकी सेवाओं के लिए फीस”, “स्वामिस्व” और “स्थायी स्थापन” के वही अर्थ होंगे जो उनके आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 44घ के स्पष्टीकरण में हैं।
4. जहां इस रिपोर्ट में कथित किसी बात का उत्तर नकारात्मक या सापेक्ष है, वहां रिपोर्ट में उसके कारण दिए जाएंगे।

उपांबंध

(प्रलेप सं0 3गड़ का पैरा 3 देखिए)

तकनीकी सेवाओं के लिए स्वामिस्व या फीस के रूप में आय से संबंधित व्यौरे

भाग क

1. अनिवासी निर्धारिती का नाम.....
2. भारत में वृत्ति के स्थायी स्थापन/नियत स्थान का पता.....
3. स्थायी खाता सं0.....
4. निर्धारण वर्ष.....
5. प्रास्थिति.....

भाग ख

6. कारबार या वृत्ति की प्रकृति ।
7. (क) क्या लेखा बहियां धारा 44कक के अधीन विहित की गई हैं, यदि हां तो इस प्रकार विहित की गई बहियों की सूची ।
 (ख) रखी गई लेखा बहियां ।
 (यदि लेखा बहियां किसी कंप्यूटर तंत्र में रखी गई हैं तो ऐसे कंप्यूटर तंत्र द्वारा निकाली गई लेखा बहियों का उल्लेख करें)
 (ग) जांच की गई लेखा बहियों की सूची
8. (क) पूर्ववर्ष में अपनायी गई लेखा पद्धति ।
 (ख) क्या पूर्ववर्ष के ठीक पूर्ववर्ती वर्ष में अपनायी गई पद्धति के मुकाबले में अपनायी गई लेखा पद्धति में कोई परिवर्तन किया गया है हां/नहीं
 (ग) यदि ऊपर (ख) का उत्तर सकारात्मक है तो ऐसे परिवर्तन और लाभ या हानि पर उसके प्रभाव के ब्यौरे दें ।

भाग ग

9. भारत सरकार या भारतीय समुत्थान के साथ करार की तारीख (करार की एक प्रति संलग्न करें)
10. व्यवहार-ज्ञान, प्रतिलिप्याधिकार, ऐटेन्ट, आदि, जैसी अमूर्त संपत्ति के ब्यौरे जिसकी बाबत उपयोग के लिए या जिसकी संविदा की बाबत तकनीकी सेवाओं के लिए स्वामिस्व/फीस संदेय है ।
11. (क) रांदायकर्ता का नाम और यता
 (ख) क्या यह एक सहयुक्त रद्दम है हां/नहीं
12. (क) क्या तकनीकी सेवाओं के लिए स्वामिस्व/फीस एकमुश्त या अन्य आधार पर रांदेय है

(ख) व्यौरे, जिसके अंतर्गत दर, रकम, आदि है।

13. भारत में वृत्ति के स्थायी स्थापन/नियत स्थान के क्रियाकलाप के ब्यौरे।
14. भारत में वृत्ति के स्थायी स्थापन/नियत स्थान के साथ तकनीकी सेवा के लिए स्वामिस्व/फीस की बाबत अधिकार या संपत्ति या संविदा के संबंध की प्रकृति।
15. व्यय या मोक के ब्यौरे, जो भारत में वृत्ति के स्थायी स्थापन/नियत स्थान के कारबाह के लिए पूर्णतः और अनन्य रूप से उपगत नहीं है।
16. भारत में वृत्ति के स्थायी स्थापन/नियत स्थान के लिए आबंटनीय प्रधान कार्यालय व्यय या मोक के शीर्षवार ब्यौरे।
17. प्रधान कार्यालय या उसके किसी अन्य कार्यालय के लिए भारत में वृत्ति के स्थायी स्थापन/नियत स्थान द्वारा वास्तविक व्ययों की प्रतिपूर्ति के ब्यौरे।

हो/-

लेखाकार'

[अधिसूचना सं. 298/2003/पा. सं. 142/50/2003-टीवीएल]

दीपिका मित्तल, अबर सचिव

टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं. का.आ. 969(अ), तारीख 26 मार्च, 1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन अधिसूचना सं. का.आ. 1307(अ), तारीख 13-11-2003 द्वारा आयकर (छब्बीसवाँ संशोधन) नियम, 2003 द्वारा किया गया।

**MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)**

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th November, 2003

INCOME-TAX

S.O. 1332(E).—In exercise of the powers conferred by Section 295, read with Sub-section (2) of Section 44DA, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Twenty-Seventh Amendment) Rules, 2003.
 (2) They shall come into force from the date of publication in the Official Gazette.
2. In the Income-tax Rules, 1962,-
 - (i) after rule 6G, the following shall be inserted, namely:-

"CCC-A.- Report of audit in case of income by way of royalties etc. in case of non-residents.

6GA. Form of report of audit to be furnished under sub-section (2) of section 44DA.

The report of audit of accounts of the non-resident (not being a company) or a foreign company, which is required to be furnished under sub-section (2) of section 44DA shall be in Form No. 3CE.";

(ii) in Appendix II, after Form No. 3CD, the following Form shall be inserted, namely:-

'FORM NO.3CE

[See rule 6GA]

Audit Report under sub-section (2) of section 44DA of the Income-tax Act, 1961

1. I/We have examined the accounts and records of
[name and address of the non-resident with permanent account number] relating to the business of the permanent establishment/fixed place of profession in India during the year ended on the 31st day of March,
2. I/We have obtained all the information and explanations which, to the best of my/our knowledge and belief, were necessary for the purposes of the audit and for ascertaining the amount of income by way of royalty/fees for technical services earned by the assessee.
3. I/We certify that the right or property or contract in respect of which royalty/fees for technical services is paid is effectively connected with the permanent establishment/fixed place of profession in India.
4. I/We certify that the income by way of royalty/fees for technical services under section 44DA of the Income-tax Act, 1961 in respect of the assessment year - is Rs.

The information relating to the income by way of royalty/fees for technical services is given in the Annexure to this Form. In my/our opinion and to the best of my/our information and according to the information given to me/us, the particulars given above are true and correct.

Signed
Accountant

Notes:

1. Delete whichever is not applicable.
2. This report is to be given by-
 - (a) a chartered accountant within the meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949); or
 - (a) any person who, in relation to any State, is, by virtue of the provisions in sub-section (2) of section 226 of the Companies Act, 1959 (1 of 1956), entitled to be appointed to act as an auditor of companies registered in that State.
3. "Fees for technical services", "royalty", and "permanent establishment" shall have the same meaning as assigned to them in the *Explanation* to section 44DA of the Income-tax Act, 1961.
4. Where any of the matter stated in this report is answered in the negative or with a qualification, the report shall state the reasons therefor.

ANNEXURE**[See paragraph 3 of Form No.3CE]****Details relating to Income by way of royalty or fees for technical services****Part A**

1. Name of the non-resident assessee
2. Address of the permanent establishment/fixed place of profession in India
3. Permanent account number
4. Assessment year
5. Status

Part B

6. Nature of business or profession.
7. (a) Whether books of account are prescribed under section 44AA, if yes, list of books so prescribed.
- (b) Books of account maintained.
(In case books of account are maintained in a computer system, mention the books of account generated by such computer system.)
- (c) List of books of account examined.
8. (a) Method of accounting employed in the previous year.
- (b) Whether there has been any change in the method of accounting employed vis-à-vis the method employed in the immediately preceding previous year.
- (c) If answer to (b) above is in the affirmative, give details of such change, and the effect thereof on the profit or loss.

Yes/No

Part C

9. Date of agreement with Government of India or Indian concern (enclose a copy of the agreement).
10. Details of the intangible property such as know-how, copyrights, patents, etc. for use in respect of which or the contract in respect of which royalty/fees for technical services is payable.
11. (a) Name and address of the payer
- (b) Whether it is an associated enterprise
12. (a) Is royalty/fees for technical services payable in lump-sum or on other basis
- (b) Details including rate, amount, etc.
13. Details of activity of the permanent establishment/ fixed place of profession in India.
14. Nature of connection of the right or property or contract in respect of royalty/fees for technical services with the permanent establishment/fixed place of profession in India.
15. Details of expenditure or allowance which is not wholly and exclusively incurred for the business of the permanent establishment or fixed place of profession in India.
16. Head-wise details of head office expenditure or allowance allocable to the permanent establishment/fixed place of profession in India.

Yes/No

16. Details of reimbursement of actual expenses by the permanent establishment/fixed place of profession in India to head office or any of its other offices.

Signed
Accountant'.

[Notification No. 298/2003/F.No. 142/50/2003-TPL]

DEEPIKA MITTAL, Under Secy.

Note.- The principal rules were published vide notification No.S.O.969(E), dated the 26th March, 1962 and last amended by Income-tax (Twenty-Sixth Amendment) Rules, 2003 vide notification S.O. No.1307 (E), dated the 13.11.2003.